MEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि कार्यक्रम
(MEC)

सत्रीय कार्य 2024–2025
द्वितीय वर्ष
उन छात्रों के लिये जिन्होंने द्वितीय वर्ष में जनवरी 2024 या उससे पहले प्रवेश लिया था।

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

एम.ए. (अर्थशास्त्र) द्वितीय वर्ष
सत्रीय कार्य 2024–2025

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30: है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40: अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपन` बनाई है।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) 31 मार्च 2025 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो जून 2025 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।

2) 30 सितंबर 2025 तक उन विद्यार्थियों के लिए जो दिसम्बर 2025 सत्रांत परीक्षा देने के इच्छुक हैं।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे ंदिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एम.ई.सी.–006/106 लोक अर्थशास्त्र
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–006/106
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-006/106/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2024-25
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. (i) ''समाज का समग्र कल्याण आवश्यक रुप से वैयक्तिक उपयोगिता स्तर पर निर्भर करता है''- इस कथन के आलोक में सामाजिक कल्याण फलन के विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या करें।सरकारी हस्तक्षेप किस प्रकार से नकारात्मक बाह्यताओं से जुड़ी समस्याओं का मुकाबला कर सकता है?

   (ii) सार्वजनिक निर्णयन किस प्रकार वैयक्तिक निर्णयन से भिन्न प्रकार का होता है? सोदाहरण समझायें। व्यक्ति किस आधार पर सामाजिक अवस्थाओं (social status) को श्रेणीबद्ध करता है?

2. बाजार विफलता से आपका क्या आशय है ? बाजार विफलताओं का लेखा जोखा दें। एकाधिकारी शक्ति से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए किस प्रकार के राज्य हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है?

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. स्थानीय सार्वजनिक वस्तुओं एवं सेवाओं की विशेषताओं को बतायें। क्या आप ऐसा मानते हो कि 'नागरिक उपभोक्ता चयन' की स्थानीय सरकारों द्वारा अनदेखी की जाती है? उदाहरण देते हुए व्याख्या करें।

4. सार्वजनिक व्यय एवं निजी व्यय में अंतर बतायें। सार्वजनिक व्यय किस सीमा तक किया जा सकता है?इस संबंध में एच डाल्टन द्वारा प्रतिपादित अधिकतम सामाजिक लाभ सिद्धांत की व्याख्या करें।

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखें

(i) वैश्विक शांति निर्देशांक
(ii) नाश संतुलन
(iii) दोहरा संघवाद
(iv) डूबती हुई लागतें

6. वित्तीय घाटा क्या है? किन किन उपायों द्वारा घाटे की वित्त व्यवस्था का वितीयमान किया जा सकता है?

7. आप 'समष्टिगत आर्थिक अस्थिरताओं' से क्या समझते हो? आप समष्टिगत आर्थिक आघातों (shocks) से पीड़ित अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने हेतु किन नीतिगत संयंत्रों का सुझाव देंगें?

एमईसी–007 : अंर्तराष्ट्रीय व्यापर एवं वित्त
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–007

सत्रीय कार्य कोड : एमईसी–007/सत्रीय कार्य/2024–25

कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. रिकार्डो के तुलनात्मक लाभ सिद्धांत की आलोचनात्मक चर्चा कीजिएं । यह एडम स्मिथ की पूर्ण लाभ सिद्धांत से कैसे भिन्न है?

2. व्यापार शर्तो के विभिन्न संकल्पनाओं को समझाइयें। प्रिबिश द्वारा समझाये गये व्यापार शर्तो के प्रवणताओं की तुलनात्मक जाँच कीजिए।

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बहुकोण ढाँचे को समझाइयें। इसके मुख्य कारक को समझाइये।
4. आर्थिक एकीकरण के विभिन्न स्वरूप क्या हैं? व्यापार–परिवर्तन व्यापार–सृजन से किस प्रकार भिन्न है?
5. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली के उद्‌भव की व्याख्या कीजिए। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा व वित्तीय प्राणाली के प्रवृत्तियों की जाँच कीजिए।
6. व्यापार रक्षा के विभिन्न औजारों की चर्चा कीजिए। कोटा तथा टैरिफ के बीच अंतर कीजिए।
7. स्थिर तथ चर विनिमय दरों के तुलनात्मक गुणों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।

एमईसी-107: अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं विकास
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोड: एमईसी-107
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-107 / एएसटी-1/2024-2025
कुल अंक: 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1) रिकार्डो के तुलनात्मक लाभ के सिद्धांत की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। यह एडमस्मिथ के निरपेक्ष लाभ के सिद्धांत से किस प्रकार भिन्न है?
2) व्यापार शर्तों की विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए। प्रेबिश द्वारा समझाए गए व्यापार शर्तों के व्यवहार की आलोचनात्मक जांच कीजिए।

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बहुपक्षीय ढाँचे की व्याख्या कीजिए। इसकी प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
4) आर्थिक एकीकरण के विभिन्न रूप क्या हैं? व्यापार विपथन, व्यापार सृजन से किस प्रकार भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।
5) अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली के क्रमिक विकास का वर्णन कीजिए। अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय प्रणालियों में रुझानों की जांच कीजिए।
6) व्यापार संरक्षण के विभिन्न साधनों की चर्चा कीजिए। कोटा और टैरिफ (प्रशुल्क) के बीच अंतर कीजिए।
7) स्थिर (नियत) और लचीली (नम्य) विनिमय दरों के सापेक्ष गुणों और दोषों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

एम.ई.सी.ई.–008 : सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण का अर्थशास्त्र

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–008

सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.ई.008/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2024-25

पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. आय के स्तर को विकास का सूचक मान लेना किस प्रकार से विकास के बहुआयामी स्वरूप के निरूपण के उद्देश्य का हनन कर देता है? व्याख्या करें।

2. उपयुक्त सैद्धांतिक तर्कों के आधार पर गोर्डन के इस विचार पर चर्चा करें कि किसी मत्स्यकी का अभीष्ट आकार वह है जो धारणीय रूप से संसाधन लगान को अधिकतम करता हो।

भाग – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. 'नवक्लासिकी अर्थशास्त्र' से 'संस्थात्मक अर्थशास्त्र' की ओर संक्रमण की व्याख्या करें।

4. पर्यावरण प्रकार्यों के मूल्यांकन की 'आभास कीमत' और 'सुखाय कीमत' विधियों में मूल अंतर क्या है?

5. विभिन्न प्रकार के 'सांझा संपदा संसाधनों' पर एक टिप्पणी लिखें।

6. सहस्त्राब्दी 2000 के प्रारंभिक वर्षों में भारत में 'शिक्षा व्यय' के क्षेत्रीय अंतर स्पष्ट करें।

7. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में 'प्रयोक्ता शुल्क' लागू किए जाने के पक्ष का पोषण करें। ऐसे विचार के पक्ष-विपक्ष में क्या तर्क दिए जा सकते हैं?

एम.ई.सी.–108 : सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण का अर्थशास्त्र

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–108

सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-108/ए.एस.टी./2024-25

पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. पर्या अवक्रमण की ओर ले जाने वाली विभिन्न ''बाज़ार के विफलता'' की स्थितियों पर चर्चा करें।

2. श्रमिकों के स्वास्थ्य और उत्पादिता में योगदान करने में 'दक्षता मज़दूरी' के महत्त्व पर चर्चा करें।

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. समझाएं कि किस प्रकार गरीबी कुपोषण का एकमात्र निर्धारक नहीं है।

4. अनवीकरणीय संसाधनों के अभीष्ट प्रयोग में आने वाली मूलभूत चुनौतियों पर चर्चा करें।

5. अ-सतत् तथा सतत् काल परिवेशों में नवीकरणीय संसाधनों के अभीष्ट प्रयोग विषयक परिणामों की व्युत्पत्ति करें।

6. सार्वजनिक सेवाओं के प्रावधान के संदर्भ में 'अर्द्ध बाज़ार' की संकल्पना का वर्णन करें।

8. मुफ्तख़ोरी की विद्यमानता और अभाव दोनों दशाओं में स्वास्थ्य बीमा क्रय के लिए अभीष्टता की शर्तों की व्युत्पत्ति करें।

एम.ई.सी.–109 : अर्थशास्त्र में अनुसंधान विधियाँ
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–109
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-109/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2024-25
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2. ''शोध कार्य में निगमनात्मक कार्यप्रणाली (Deductive Strategy) तर्कों के अनुप्रयोग से प्रारंभ होती है जिससे सामान्य निष्कर्ष निकाले जाते है'' - इस कथन के आलोक में एक शोध प्रस्ताव का निर्माण करें जिसमें शोध प्रक्रिया मे सम्मिलित सभी चरणों का समावेश हो।

3. सामाजिक विज्ञानों में शोध करने हेतु निर्देशक सिद्धांत (guiding principle)के रुप में आलोचनात्मक ढांचें की प्रमुख विशेषताओं को बतायें। क्या आप ऐसा मानते हैं कि आलोचनात्मक ढांचा पश्च प्रत्यक्षवाद तथा निर्वचनात्मक ढांचों से हटकर है? कारण दें।

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

4. प्रतीपगमन प्रतिमान के विभिन्न रूपों की व्याख्या करें।
सन् 2020 से सम्बन्धित उत्तर प्रदेश राज्य के 46 जनपदों के काल्पनिक आंकड़ों के आधार पर प्रतीपगमन के परिणाम इस प्रकार दिए गए हैं:

Log C= 4.30-1.34 log P +0.17 log Y

Se= (0.91) (0.32) (0.20) $\overline{R}^2 = 0.27$

जहां C= प्रति वर्ष प्रति सिगरेट पैक का उपभोग

P= प्रति पैक सिगरेट की कीमत

Y= प्रति व्यक्ति प्रयोज्य आय

उपरोक्त के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर इं।

(i) सिगरेट की मांग की कीमत लोच क्या होगी?

(ii) सिगरेट की आय की लोच क्या होगी?

(iii) आप उपर दिये हुए समायोजित $\overline{R}^2$ से R^2 किस प्रकार ज्ञात करोगे।

4. प्रतिनिधि प्रतिचयन (representative sample)क्या है? सोदारण व्याख्या करें कि यादृच्छिक प्रतिचयने गैर-यादृच्छिक से प्रतिचयन किस प्रकार भिन्न होता है? यादृच्छिक प्रतिचयन किस प्रकार किसी अनुमिति की अभिनिति का निवारण करने में सहायक होता है।

5. परिमाणात्मक एवं गुणात्मक शोध में अंतर बतायें। गुणात्मक शोध के आंकड़ों के विश्लेषण की तकनीक के रूप में सहगामिता विश्लेषण की विशिष्टताओं एवं प्रयोज्यता की चर्चा करें।

6. संयुक्त सूचकांक क्या है? उदाहरण देते हुए संयुक्त सूचकांकों की रचना की प्रक्रिया की व्याख्या करें।

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखें
   (i) कारक भारण (Factor Loading)
   (i) विषय वस्तु विश्लेषण के दृष्टिकोण (approaches of content analysis)
   (ii) शोध अभिकल्पना (Research Design)
   (iii) क्रियात्मक शोध (Action Research)

एम.ई.सी.ई.-001: अर्थमिति विधियाँ
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.ई.-001

सत्रीय कार्य कोड: एमईसीई-001/एएसटी/2024-25

अधिकतम अंक: 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

1. विषमविसारिता का क्या अर्थ है? इसके क्या परिणाम हैं? आप किसी आंकड़ों के समूह में विषमविसारिता की उपस्थिति का पता किस प्रकार लगाते हैं?
2. गत्यात्मक प्रतिमान से क्या तात्पर्य है? समझाइए कि निम्नलिखित प्रतिमान का अनुमान कैसे लगाया जा सकता है: $y_t = \alpha + \beta x_t + \gamma y_{t-1} + u_t$, जहाँ $|\gamma| < 1$ और $u_t = \rho\, u_{t-1} + v_t$ है।

   उपरोक्त मॉडल में v_t स्वतंत्र रूप से और सामान्य रूप से वितरित है, जिसका माध्य शून्य और विसरण σ^2 और $|\rho| < 1$ है।

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

3. प्रतीपगमन समीकरण $Y_i = \alpha + \beta X_i + u_i$ पर विचार कीजिए, जहाँ u_i एक प्रसंभाव्य त्रुटि पद है।

   अ) बताइये कि α और β के आकलक कैसे प्राप्त किए जा सकते हैं?

   ब) त्रुटि पद के लिए आप क्या मान्यताएं बनाएंगे?

   स) आकलक कौन से बीजीय गुणधर्मों को पूरा करते हैं?
4. युगपत समीकरण प्रणाली में अभिनिर्धारण का क्या अर्थ है? निम्नलिखित मॉडल में समीकरणों की अभिनिर्धारण स्थिति की जाँच कीजिए:

   माँग फलन : $Q_t = \alpha_0 + \alpha_1 P_t + \alpha_2 X_t + u_{1t}$

   आपूर्ति फलन : $Q_t = \beta_0 + \beta_1 P_t + u_{2t}$

5. रेखीय प्रायिकता प्रतिमान (LPM) की सीमाएँ क्या हैं? बताइये कि प्रोबिट प्रतिमान द्वारा इन सीमाओं का कैसे ध्यान रखा जाता है?
6. प्रतिगमन प्रतिमान का अनुमान लगाते समय आपने पाया कि व्याख्यात्मक चर को निश्चित त्रुटि के साथ मापा गया है। प्रतिमान निर्दिष्ट कीजिए। प्राचलों पर इसके क्या परिणाम हैं?
7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

   अ) आभासी चर जाल

   ब) सामान्यीकृत न्यूनतम वर्ग प्रतिमान

एम.ई.सी.ई-003: बीमांकिक अर्थशास्त्र: सिद्धांत एवं व्यवहार

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.ई-003

सत्रीय कार्य कोड: एमईसीई-003/एएसटी/2024-25

अधिकतम अंक: 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड–क से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। खंड–ख के प्रत्येक प्रश्न का मान 12 अंक का है।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1) बीमा क्षेत्र के उन महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा कीजिए जो विनियमित हैं।
2) गत्यात्मक वित्तीय विश्लेषण (DFA) मॉडल की संरचना का वर्णन कीजिए। DFA मॉडल बनाते समय आप ब्याज दर के चयन हेतु किन व्यावहारिक मुद्दों पर विचार करेंगे?

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3) अग्र-संविदा के बहु-अवधि द्विपद मॉडल की व्याख्या कीजिए। कॉक्स-रॉस-रूबिनस्टीन मॉडल पर चर्चा कीजिए।
4) वित्त के आधुनिक सिद्धांत यूनिट-लिंक्ड (इकाई-सम्बन्ध) बीमा के लिए नए मूल्यांकन सिद्धांत कैसे प्रस्तुत करते हैं?
5) बहुल- ह्रासंकीय सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
6) 'आजीवन वार्षिकी संविदा' क्या है? इसका 'बीमांकिक वर्तमान मान' कैसे निर्धारित किया जाता है?
7) चरम मान सिद्धांत (EVT) क्या है? इसकी सीमाएँ क्या हैं?

एम.ई.सी.ई-103: बीमांकिक अर्थशास्त्र: सिद्धांत एवं व्यवहार

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.सी.ई-103

सत्रीय कार्य कोड: एमईसीई-103/ टीएमए/2024-25

अधिकतम अंक: 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1) व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य बीमा क्यों महत्वपूर्ण है? विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य बीमा अनुबंधों का वर्णन कीजिए।
2) जोखिम शब्द को परिभाषित कीजिए। जोखिम की विभिन्न श्रेणियों पर चर्चा कीजिए। जोखिम का मूल्यांकन कैसे किया जाता है?

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3) ब्लैक-शोल्स प्रमेय किन मान्यताओं पर आधारित है? ब्लैक-शोल्स प्रमेय के महत्वपूर्ण निष्कर्ष क्या हैं?
4) वार्षिकी का क्या अर्थ है? विभिन्न प्रकार की वार्षिकी के बीच अंतर कीजिए।
5) जोखिम प्रबंधन के लिए पारंपरिक दृष्टिकोण और एकीकृत दृष्टिकोण के बीच अंतर कीजिए।
6) चरम मान सिद्धांत के महत्व को उजागर कीजिए।
7) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें:
   (अ) निक्षेप निधि
   (ब) शुद्ध (निवल) वर्तमान मूल्य
   (स) जोखिम फलन

एमईसीई–004 : वित्तीय संस्था एवं बाज़ार

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एमईसीई–004

सत्रीय कार्य कोड : एमईसीई–004/सत्रीय कार्य/2024–25

कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. एक आधुनिक अर्थव्यवस्था में वित्तीय प्रणाली के प्रकृति की व्याख्या कीजिए, उसके मुख्य संस्थाओं, बाज़ार तथा औज़ारों के बारे में समझाते हुए। वित्तीय बाज़ार में कोष–प्रवाह की संकल्पना को समझाइये।

2. मार्कोविट्ज़ के कुशल पोर्टफोलियों चयन की चर्चा कीजिए। पूँजी परिसम्पत्ति मूल्य निर्धारण सिद्धांत इस पर कैसे आधारित है?

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. ब्याज दर की शर्त ढाँचा से संबधित विभिन्न सिद्धांतों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।
4. डेरिवटिव मूल्य निर्धारण सबंधित ब्लैक–शोल फार्मुला की चर्चा कीजिए।
5. किसी फर्म के लिवरेज की संकल्पना की चर्चा कीजिए। उपयोग किए जाने वाले मुख्य वित्तीय तथा लिवरेज अनुपातों की चर्चा कीजिए। मर्टन–मिलर प्रमेय समझाइये।
6. द्वैतीय बाज़ारों में जमा प्रणाली को आवश्यकता तथा भूमिका समझाइये। कस्टोडियल सेवा के संकल्पना को समझाइये।
7. स्थिर विनिमय दरों की परिस्थिति में मुद्रा नीति की तुलना कीजिए चर विनिमय दरों की परिस्थिति में मुद्रा नीति के साथ।

एमजीएसई–009: कार्य, रोजगार और उत्पादिता में सम्मिलित जेंडर मुद्दे
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमजीएसई–009
सत्रीय कार्य कोडः एमजीएसई–009/टीएमए/2024–25
अधिकतम अंकः 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. क्या आपको लगता है कि काम को जेंडर के दृष्टिकोण से पुनः परिभाषित किया जाना चाहिए? उपयुक्त केस स्टडीज और डेटा के साथ अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

2. श्रम बाजार भेदभाव और शोषण से संबंधित विभिन्न सिद्धांतों की उपयुक्त उदाहरण के साथ व्याख्या कीजिए।

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के प्रति कानून की क्या प्रतिक्रिया रही है? व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (ओएचएस) से संबंधित कानूनों की व्याख्या कीजिए ।

4. महिलाओं के संघीकरण के संदर्भ में श्रमिक संघ की गतिविधियों पर चर्चा कीजिए ।

5. काम में महिलाओं की उपस्थिति इतनी महत्वपूर्ण क्यों है? सांख्यिकीय अदृश्यता के कारणों की व्याख्या कीजिए ।

6. समय के साथ जेंडर स्तरीकरण कैसे परिवर्तित किया गया, चर्चा कीजिए ।

7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट्स लिखें:

i) जॉब क्राऊडिंग परिकल्पना

ii) सामंती समाज

iii) महिला देखभाल प्रदाता

iv) अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में ''दोगुना बहिष्कृत'': प्रवासी श्रमिक

एमडब्लूजी 111: अर्थव्यवस्था में महिलाएं
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमडब्लूजी –111
सत्रीय कार्य कोडः एमडब्लूजी –111/टीएमए/2024–25
अधिकतम अंकः 100

खंड – क

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 1500 शब्दों में दीजिए

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें:

वीडियो देखें https://www.youtube.com/watch?v=j9I7pDhMg30 (अंग्रेज़ी)

अथवा

https://www.youtube.com/watch?v=H2pReSdUnFM (हिंदी)

नारीवादी विद्वता को उद्धृत करते हुए इकाई 1 और 2 (खंड 1) और इकाई 6 और 7 (खंड 2) की अपनी समझ के आधार पर वीडियो में चर्चा की आलोचना लिखें।

अथवा

"अर्थव्यवस्था में महिलाओं की स्थिति: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य" पर एक निबंध लिखें। नारीवादी विद्वता प्रदान करके अपने तर्कों को उचित ठहराएँ।

खंड – ख

प्रश्न 2. भारत में महिलाओं के कार्य पर वैश्वीकरण के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. प्रवास एवं तस्करी के बीच अंतर्संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. क्या आप श्रम शक्ति में महिलाओं के संगठित होने और प्रतिरोध करने के तरीके में कोई बदलाव देखते हैं? केस अध्ययन देकर अपने उत्तर की पुष्टि करें।

प्रश्न 5. किन्हीं दो सरकारी कार्यक्रमों/योजनाओं/विधानों का वर्णन कीजिए जिन्हें हाल ही में अधिक महिलाओं को कार्यबल में आकर्षित करने के लिए शुरू किया गया है।

प्रश्न 6. महिलाओं और कार्यों की सैद्धांतिक रूपरेखा लिखें।

एमईडीएसई **046:** विकास: मुद्दे और चुनौतियाँ
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमईडीएसई 046

सत्रीय कार्य कोडः एमईडीएसई 046/टीएमए/**2024–25**

अधिकतम अंकः 100

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. राजनीतिक विकास क्या है? राजनीतिक विकास के विभिन्न गुणों की व्याख्या कीजिए।

2. गरीबी के दुष्चक्र की व्याख्या कीजिए। गरीबी के कारणों और प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

3. जनसंख्या विकास का वरदान और अभिशाप है? कथन स्पष्ट कीजिए|

4. समावेशी विकास क्या है? समावेशी विकास के कारणों एवं उपायों का वर्णन कीजिए।

5. विकास में स्वास्थ्य की भूमिका पर चर्चा कीजिए। स्वास्थ्य देखभाल के विभिन्न घटकों का वर्णनकीजिए|